न्यूज डायरी

हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर निकाला गुस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप चीन के खिलाफ और आक्रामक रूख अख्तियार करते दिखाई दे रहे हैं। अपने कार्यकाल के खत्म होने से 72 दिन पहले ही उन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में राजनीतिक अधिकारों के दमन के मुद्दे पर चीन के चार और अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। सोमवार को अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि इन चारों की अमेरिका यात्रा और यहां किसी भी तरह की संपत्ति हासिल करने पर रोक लगाई जाएगी। अमेरिका ने इन अधिकारियों को हॉन्ग कॉन्ग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लागू कराने में उनकी भूमिका के लिए प्रतिबंधित किया है, क्योंकि अमेरिका इस कानून को अभिव्यक्ति की स्वंत्रता और विपक्ष की राजनीति को बेहद कड़ाई से दबाने के रूप में देखता है। यह कानून जून में पारित हुआ था। अमेरिका इससे पहले भी कई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा चुका है, जिनमें हॉन्ग कॉन्ग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैरी लाम भी शामिल हैं।

ब्राजील ने चीन को दिया बड़ा झटका, सिनोवेक कोरोना वैक्सीन का ट्रायल किया सस्पेंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियो डी जेनेरियो। ब्राजील ने चीन को झटका देते हुए सिनोवेक कंपनी के कोरोना वायरस वैक्सीन कोरोनावेक के ट्रायल को सस्पेंड कर दिया है। ब्राजील के स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि यह रोक वैक्सीन लगाने के कारण हुए एक प्रतिकूल घटना के बाद लगाई गई है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि यह घटना 29 अक्टूबर को हुई थी। लेकिन, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह घटना ब्राजील में हुई है या किसी दूसरे देश में। साओ पाओलो के चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बुटानन के प्रमुख डिमास कोवास ने कहा कि वैक्सीन के कारण हुई एक मौत के बाद चीनी वैक्सीन के ट्रायल को रोकने का फैसला लिया गया है। उन्होंने आशंका जताई कि जो मौत हुई है वह वैक्सीनेशन से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समय 10,000 से अधिक लोगों पर इस वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। ऐसे में किसी एक व्यक्ति की मौत हो सकती है।

बलूचिस्तान में स्थानीय यूनियन नेता की गोली मारकर हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्वेटा। दक्षिण पश्चिम पाकिस्तान में बाइक सवार बंदूकधारियों ने एक मस्जिद के बाहर एक स्थानीय यूनियन नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद मौके से फरार हो गए। पुलिस अधिकारी जरीफ खान के मुताबिक, बलूचिस्तान के पशीन गांव की एक मस्जिद में सोमवार को शाम की नमाज अदा करके बाहर निकले अल्लाहदाद तरीन को हमलावरों ने गोली मार दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। व्यापारी संघ ने हत्या की निंदा करते हुए कहा कि घटना के विरोध में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में मंगलवार को दुकानें और बाजार बंद रहेंगे। हमले की जिम्मेदारी तत्काल किसी भी संगठन ने नहीं ली है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के बहाने भारत को चेतावनी दे रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। अमेरिका में जो बाइडेन का राष्ट्रपति बनना तय हो चुका है और चीन में इसे लेकर गहमागहमी तेज है। इस बीच चीन के प्रॉपगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स ने बाइडेन के पहले के बयानों के आधार पर उम्मीद जताई है कि अमेरिका चीन के प्रति अपनी नीति में बदलाव कर सकता है। हालांकि, अखबार के संपादकीय में साथ ही यह भी कहा गया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों के बीच तनाव खत्म होने की उम्मीद बनी रहेगी। वहीं, अमेरिका के बहाने भारत को भी चेतावनी देने की कोशिश ग्लोबल टाइम्स ने की है। संपादकीय में कहा गया है कि हाल के सालों में ट्रंप प्रशासन के साथ चली कूटनीति लड़ाई के नतीजों को चीन को समझना होगा और अपनी सोच और कूटनीति को बदलना होगा। संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि ट्रंप प्रशासन की नीति चीन को अमेरिकी नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक सिस्टम से बाहर करने की थी।

म्यांमार के चुनाव में आंग सान सू की को बहुमत

चुनाव

चीन क्यों कर रहा सु की की जीत की कामना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रंगून। म्यांमार में हुए आम चुनावों में लोकत्रंत समर्थित नेता और वर्तमान राष्ट्रपति आंग सांग सू की की पार्टी को बहुमत मिलती दिख रही है। नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) ने दावा किया है कि उसने संसदीय चुनाव में बहुमत हासिल कर लिया है और वह सत्ता पर काबिज रहेगी। हालांकि, निर्वाचन आयोग ने रविवार तक महज कुछ सीटों पर ही आधिकारिक रूप से परिणामों की घोषणा की है।

म्यांमार के संघीय निर्वाचन आयोग ने इससे पहले कहा था कि सभी नतीजों के आने में एक हफ्ते का समय लगेगा और गत रात आठ बजे तक 642 सदस्यीय संसद के लिए चुनाव में महज नौ विजेताओं के नामों की घोषणा की है जिनमें से सभी एनएलडी के प्रत्याशी हैं। एनएलडी के प्रवक्ता मोनीवा आंग शिन ने कहा कि पार्टी पुष्टि करती है

कि उसने बहुमत के आंकड़े 322 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है, लेकिन अंतिम नतीजों में पार्टी द्वारा लक्षित 377 सीटों से भी अधिक पर जीत दर्ज होगी।

विरोध के बावजूद चुनाव में जीत की ओर सू की: उल्लेखनीय है कि एनएलडी की जीत की उम्मीद की जा रही है क्योंकि पार्टी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता आंग सान सू की देश में खासी लोकप्रिय हैं। हालांकि, कुछ का आकलन है कि उनकी पार्टी की सीटों में कुछ कमी, वर्ष 2015 में साथ देने वाली,अल्पसंख्यकों पर आधारित जातीय पार्टियों से रिश्ते खराब होने की वजह से आ सकती है।

कैसे हैं भारत के साथ रिश्ते: म्यांमार की सर्वोच्च नेता आंग सांग सू की को भारत का नजदीकी माना जाता है। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी दिल्ली में ही रहकर की है। जब म्यांमार में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया तब उन्हें बार बार नजरबंदी और रिहाई से गुजरना पड़ा। उस समय अप्रत्यक्ष रूप से उनकी भारत सरकार ने पूरी मदद की थी। यही कारण है कि सू की का झुकाव भारत की तरफ ज्यादा है। इसी कारण भारत ने म्यांमार के साथ कालादान प्रोजक्ट डील को फाइनल किया है। इसके अलावा म्यांमार में एक पोर्ट को भी भारत विकसित कर रहा है।

चीन ने पिछले चुनाव में म्यांमार के सैन्य गठबंधन का समर्थन किया था, जबकि इस बार वह खुलकर लोकतंत्र समर्थक आंग सांग सु की को जीतते हुए देखना चाह रहा है। चीन सरकार के प्रतिनिधियों को लगता है कि उन्हें सैन्य शासन में किसी जनरल को मनाना उनके लिए मुश्किल काम है। जबकि, लोकतंत्र समर्थक नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के नेता आसानी से उनकी बातें मान लेते हैं। सैन्य–गठबंधन वाली यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी 2015 के चुनाव में एनएलडी से बुरी तरह हार गई थी।

चीन की नापाक चाल पर परमाणु बम गिराने वाला था सोवियत संघ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। रूस और चीन के संबंध वर्तमान में काफी मजबूत माने जाते हैं। लेकिन, एक समय ऐसा भी था जब दोनों देश एक दूसरे के खून के प्यासे थे। इतना ही नहीं, रूस ने तो चीन को सबक सिखाने के लिए परमाणु मिसाइलें दागने की तैयारी कर ली थी। इसका खुलासा हाल में ही अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए ने अपनी एक रिपोर्ट में किया है।

शीत युद्ध के समय एक समय ऐसा भी आया था जब पूरी दुनिया पर परमाणु हमले का खतरा मंडराने लगा था। उस समय रूस के राष्ट्रपति निकिता ख्रुश्चेव ने फिदेल कास्त्रो के अनुरोध पर अपनी परमाणु मिसाइलों को क्यूबा में तैनात कर दिया था। उस समय तक कम्युनिस्ट शासित देशों में सबसे बड़ा और शक्तिशाली होने के कारण रूस का समर्थन चीन भी करता था।

चीन के परमाणु परीक्षण के बाद बदलीं परिस्थितियां: लेकिन, 16 अक्टूबर 1964 को चीन के पहले परमाणु परीक्षण के बाद से परिस्थितियां बदलने लगी थीं। चीन ने इस परीक्षण को प्रोजक्ट 596 का नाम दिया था। इस सफल परीक्षण के बाद चीन दुनिया का पांचवा ऐसा देश बन गया था जिसके पास परमाणु हथियार की क्षमता थी। उस समय चीन और रूस के बीच सीमा संघर्ष चरम पर था।

बाइडेन की जीत पर अबतक खामोश क्यों है तुर्की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अंकारा। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन को मिली जीत पर तुर्की के राष्ट्रपति ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। 2016 में जब डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर जीत मिली थी तब एर्दोगन ने न केवल उन्हें फोन कर बधाई दी थी, बल्कि ट्वीट कर भी खुशी का इजहार किया था। ठीक इसी तरह जब 2012 में बराक ओबामा ने जीत पाई थी तब भी एर्दोगन ने उन्हें तुरंत बधाई दी थी। कहा जाता है कि यदि कोई राजनीतिक संरक्षण के लिए ट्रंप पर मोहम्मद बिन सलमान से ज्यादा निर्भर करता है तो वह तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन हैं। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन के सहयोगी होने के बाद भी तुर्की ने रूस से एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदा है।

चीन में एयरपोर्ट कर्मचारी मिला कोरोना पॉजिटिव प्रशासन ने की 8000 लोगों की जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन में एयरपोर्ट पर तैनात एक कर्मचारी के कोरोना वायरस पॉजीटिव पाए जाने के बाद हड़कंप मच गया। स्थानीय प्रशासन ने आनन–फानन में वहां से आने–जाने वाले कम से कम 8000 लोगों की कोरोना वायरस जांच की है। राहत की बात यह है कि इस दौरान कोई दूसरा व्यक्ति संक्रमित नहीं पाया गया है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह कर्मचारी आखिर कैसे कोरोना वायरस से संक्रमित हुआ है।

8000 लोगों का हुआ कोरोना टेस्ट: जानकारी के अनुसार, चीन का वित्तीय केंद्र कहे जाने वाले

शंघाई के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक कर्मचारी के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद 186 लोगों को पृथक–वास में रखा गया और 8,000 से ज्यादा लोगों की जांच की गई। शहर की सरकार ने बताया है कि इसके अलावा कोई और व्यक्ति संक्रमित नहीं मिला है।

चीन में अबतक 86 हजार मामले: चीन के उत्तरी बंदरगाह शहर तियानजीन में स्थानीय संक्रमण का एक मामला सामने आने के बाद 77,000 से ज्यादा लोगों की जांच की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशासन ने मंगलवार को बताया कि विदेश से आने वाले 21 और लोग संक्रमित पाए गए, वहीं 426 लोगों का इलाज चल रहा है। चीन में इस वायरस के 86,267 मामले सामने आये है जिनमें से 4,634 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

राम और सीता ने जैसे रावण को हराया, ब्रिटेन कोरोना को हराएगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देश में रह रहे हिंदू समुदाय को दीपावली की बधाई देते हुए कहा है कि जिस तरह से भगवान राम और सीता ने रावण को हराया था, वैसे ही हम कोरोना को मात देंगे। उन्होंने कहा कि निस्संदेह आने वाले में समय में बड़ी चुनौती मुंह बाए खड़ी है और मुझे पूरा विश्ध्वास है कि देश के लोग एकजुट होकर कोरोना वायरस को हराएंगे। बोरिस जॉनसन ने आईग्लोबल दीपावली महोत्सव 2020 का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए कहा कि देश के लोग पूरी एकजुटता और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर कोरोना वायरस का डटकर सामना करेंगे। हम लोग साथ मिलकर इस महामारी को मात दें देंगे। ब्रितानी पीएम ने कहा कि जैसे दीपावली का त्योहार हमें यह शध्क्षिा देता है कि अंधकार पर प्रकाश की जीत होती है, अज्ञान पर ज्ञान की और बुराई पर अच्छाई की जीत होती है, उसी तरह से हम कोरोना पर विजय हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार प्रकाशपर्व दीपावली ब्रिटेन में कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच मनाया जाएगा।